आम का पेड़

चित्राँकनः चार्वाक दीप्त

कथा की 300एम थिंकबुक

आम के पेड़ के चारो ओर, हम घूमें गोल, हम घूमें गोल

आम का पेड़

आम का पेड़

आम के पेड़ के चारो ओर हम घूमें गोल, हम घूमें गोल

खुशी खुशी स्कूल के दिन सवेरे !

इस तरह, हम धोएँ चेहरा

धोएँ चेहरा
धोएँ चेहरा

इस तरह हम धोएँ चेहरा
खुशी खुशी, स्कूल के दिन सवेरे !

इस तरह दाँत ब्रुश करें हम

दाँत ब्रुश करें हम
दाँत ब्रुश करें हम

इस तरह दाँत ब्रुश करें हम

खुशी खुशी, स्कूल के दिन सवेरे !

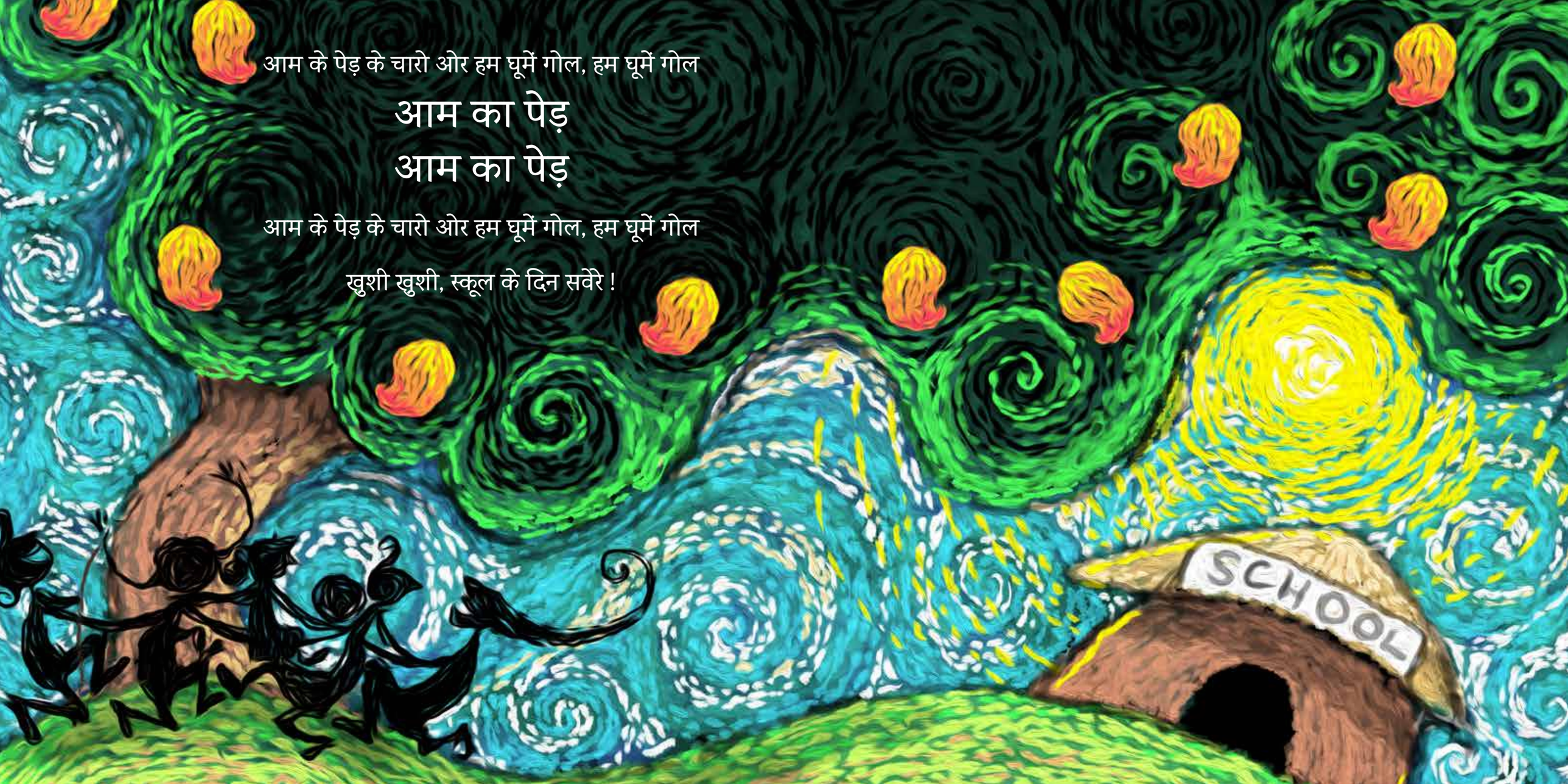

आम के पेड़ के चारो ओर हम घूमें गोल, हम घूमें गोल

आम का पेड़

आम का पेड़

आम के पेड़ के चारो ओर हम घूमें गोल, हम घूमें गोल

खुशी खुशी, स्कूल के दिन सवेरे !

इस तरह कंघी से सवारें बाल ,

सवारें बाल

सवारें बाल

इस तरह कंघी से सवारें बाल,

खुशी-खुशी, स्कूल के दिन सवेरे !

आम के पेड़ के चारो ओर, हम घूमें गोल, हम घूमें गोल

आम का पेड़

आम का पेड़

आम के पेड़ के चारो ओर हम घूमें गोल, हम घूमें गोल

खुशी खुशी स्कूल के दिन सवेरे !

इस तरह हम धोएँ पैर
धोएँ पैर, धोएँ पैर

इस तरह हम धोएँ पैर
जब शाम को घर हम आएँ

और दाँत ब्रुश करें हम

दाँत ब्रुश करें हम
दाँत ब्रुश करें हम

और दाँत ब्रुश करें हम
नींद आने से पहले

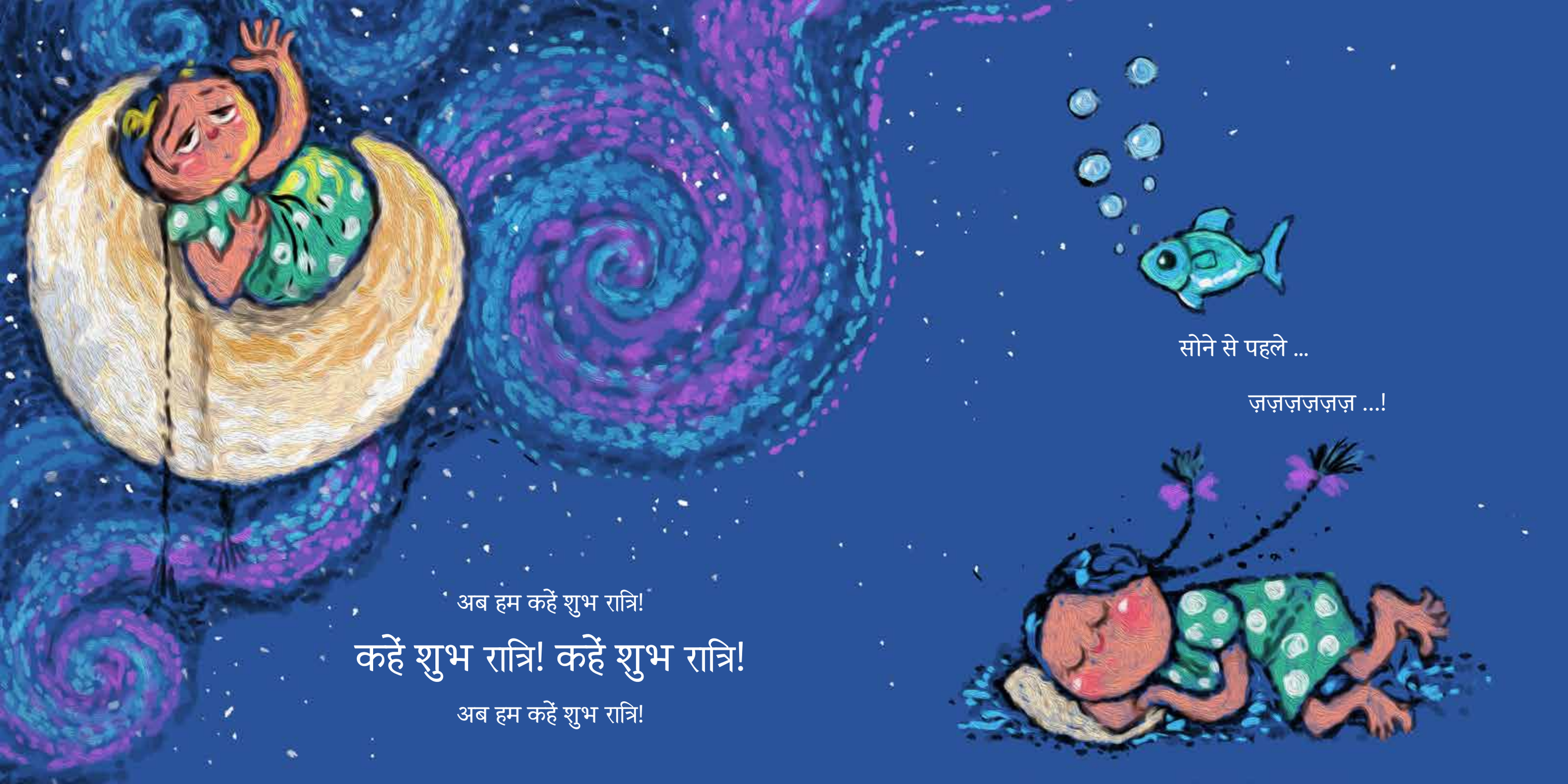

सोने से पहले ...

ज़ज़ज़ज़ज़ज़ ...!

अब हम कहें शुभ रात्रि!

कहें शुभ रात्रि! कहें शुभ रात्रि!

अब हम कहें शुभ रात्रि!

आम के पेड़ के चारो ओर, हम घूमें गोल, हम घूमें गोल

आम का पेड़

आम का पेड़

आम के पेड़ के चारो ओर हम घूमें गोल, हम घूमें गोल

खुशी खुशी स्कूल के दिन सवेरे!

टाडा!

बात करो

अपने दोस्तों से इस पर बात करो:
"सुबह उठ कर स्कूल जाना मज़ेदार होता है!"
क्या तुम्हें स्कूल जाने में ख़ुशी होती है? तुम्हें स्कूल के बारे में क्या पसंद है? स्कूल के बारे में तुम्हें क्या अच्छा नहीं लगता?

सोचो

तुमने आम का पेड़ देखा है। सोचो, फल से लदे आम के पेड़ को देख कर तुम्हें कैसा महसूस होता है?

पूछो

मेंटर्स और सुपर गुरुओं से पूछो:
आम का फल साल में केवल एक बार क्यों आता है?

अब करो

स्कूल जाने से पहले क्या-क्या करना चाहिए? जैसे, मंजन करना और मुँह धोना... ऐसी और चीज़ों की लिस्ट बनाओ।

हासिल करो

अपने घर या स्कूल के पास एक आम का पेड़ खोजो। उसको एक नाम दो, और पेड़ से दोस्ती करो।

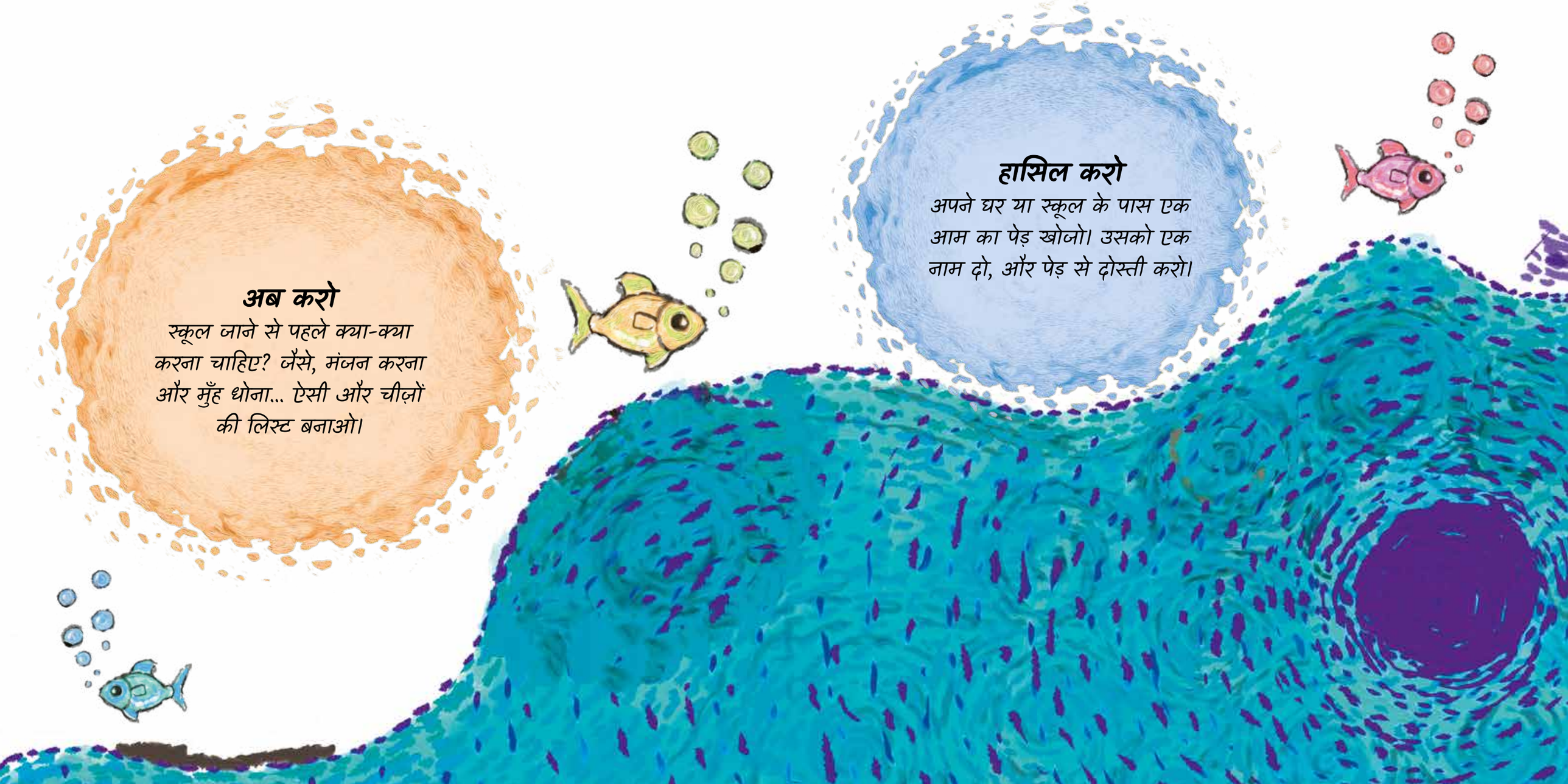

चार्वाक दीप्त ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं और एक पुरस्कृत इलस्ट्रेटर भी। इन्हें देश–विदेश की यात्रा करना और विभिन्न प्रकार का खाना, खाना बेहद पसंद है।

क कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर–लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!" – **नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ**

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।" – **पेपरटाइगर्स**

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।" – **टाइम आउट**

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"

– **चार्ल्स लैंड्री,** *द आर्ट ऑफ़ सिटी मेकिंग*

पहला हिंदी संस्करण 2021
कृति स्वामित्व © कथा, 2021
हिन्दी अनुवाद कृति स्वामित्व © कथा, 2021
चित्रॉंकन कृति स्वामित्व © कथा, 2021
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।
नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्यः हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रूचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एन्क्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017
दूरभाषः 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998
इ–मेलः marketing@katha-org
वेबसाइटः www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।
कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।

एक मस्ती भरे स्कूल के दिन का
खुशियों भरा गीत!

यह आम के पेड़ के चारों ओर एक
खेल से शुरू होता है।

इस गीत को आम के पेड़ के चारों
ओर खेलते हुए गाओ।